



आयुक्त (अपील्स) का कार्यालय, वस्तु एवं सेवा कर और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क:
O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), GST & CENTRAL EXCISE

द्वितीय तल, जी एस टी भवन / 2nd Floor, GST Bhavan

रेस कोर्स रिंग रोड / Race Course Ring Road

राजकोट / Rajkot - 360 001

Tele Fax No. 0281 - 2477952/2441142 Email: commrapp13-cexamd@nic.in

DIN20230164SX000000EB89



सत्यमेव जयते

क अपील / फाइल संख्या /
Appeal / File No.
GAPPL/COM/STP/1368/2022

मूल आदेश सं /
O.I.O. No.
01,02 & 03/2021-22

दिनांक / Date
29-03-2022

अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.):

BHV-EXCUS-000-APP-131-2022

आदेश का दिनांक /

Date of Order:

27.12.2022

जारी करने की तारीख /

Date of issue: 03.01.2023

श्री शिव प्रताप सिंह, आयुक्त (अपील्स), राजकोट द्वारा पारित /

Passed by Shri Shiv Pratap Singh, Commissioner (Appeals), Rajkot.

ग अपर आयुक्त/ संयुक्त आयुक्त/ उपायुक्त/ सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/ सेवाकर/ वस्तु एवं सेवाकर, राजकोट / जामनगर / गांधीधामा द्वारा
उपरलिखित जारी मूल आदेश से वृजित: /

Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central Excise/ST / GST, Rajkot / Jamnagar / Gandhidham :

घ अपीलकर्ता/प्रतिवादी का नाम एवं पता / Name & Address of the Appellant/Respondent :-

M/s. Digvijaysinh P Gohil, 75/A, Shantinagar, B/H Press Quarter Shivpaarvati, Street No. 3/4 Bhavnagar

इस आदेश (अपील) से व्यथित कोई व्यक्ति निम्नलिखित तरीके में उपयुक्त प्राधिकारी / प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर कर सकता है।/
Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way.

(A) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35B के अंतर्गत एवं वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 के अंतर्गत निम्नलिखित अंग्रेजी में की जा सकती है।/
Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to:-

(i) वर्गीकरण प्रश्नों से सम्बन्धित सभी मामलों में सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, वेस्ट ब्लॉक नं 2, आर.के. पुरम, नई दिल्ली, को की जानी चाहिए।/
The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Puram, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.

(ii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बूटाए गए अपीलों के अलावा शेष सभी अपीलों में सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, द्वितीय तल, बहुमाली भवन असारवा अहमदाबाद- 380016 को की जानी चाहिए।/
To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at, 2nd Floor, Bhaumali Bhawan, Asarwa Ahmedabad-380016 in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above

(iii) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमावली, 2001, के नियम 6 के अंतर्गत निर्धारित किए गये प्रपत्र EA-3 को चार प्रतियों में बर्त किया जाना चाहिए। इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहाँ उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना, रुपये 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपये या 50 लाख रुपये तक अथवा 50 लाख रुपये से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्ट्रार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेकॉजिट बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहाँ संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्वयं आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपये का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।/
The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/- Rs.5000/-, Rs.10,000/- where amount of duty demand/interest/penalty/refund is upto 5 Lac., 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of any nominated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-

(B) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86(1) के अंतर्गत सेवाकर नियमवली, 1994, के नियम 9(1) के अंतर्गत निर्धारित प्रपत्र S.T.-5 में चार प्रतियों में की जा सकती है एवं उसके साथ जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गयी हो, उसकी प्रति साथ में संलग्न करें (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहाँ सेवाकर की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना, रुपये 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपये या 50 लाख रुपये तक अथवा 50 लाख रुपये से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्ट्रार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेकॉजिट बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहाँ संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्वयं आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपये का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।/
The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fee of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-



- (i) वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 की उप-धाराओं (2) एवं (2A) के अंतर्गत बर्ज की गयी अपील, सेवाकर नियमवारी, 1994, के नियम 9(2) एवं 9(2A) के तहत निर्धारित प्रपत्र S.T.-7 में की जा सकती एवं उसके साथ आवृत्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अध्याय आवृत्त (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क द्वारा पारित आदेश की प्रतियाँ संलग्न करें। (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और आवृत्त द्वारा सहायक आवृत्त अथवा उपायुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/ सेवाकर, को अपीलीय न्यायाधिकरण को आवेदन बर्ज करने का निवेदन देने वाले आदेश की प्रति भी साथ में संलग्न करनी होगी। / The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in Form ST.7 as prescribed under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise or Commissioner, Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissioner authorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excise/ Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal.
- (ii) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय प्राधिकरण (सेटेट) के प्रति अपीलों के मामले में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944 की धारा 35एफ के अंतर्गत, जो की वित्तीय अधिनियम, 1994 की धारा 83 के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है, इस आदेश के प्रति अपीलीय प्राधिकरण में अपील करते समय उत्पाद शुल्क/सेवा कर राशि के 10 प्रतिशत (10%), जब राशि एवं जुर्माना विवादित है, या जुर्माना, जब केवल जुर्माना विवादित है, का भुगतान किया जाए, बशर्त कि इस धारा के अंतर्गत जमा कि जाने वाली अपेक्षित देय राशि बत करार रूप से अधिक न हो।
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत "मांग किए गए शुल्क" से निम्न शामिल है
(i) धारा 11 की के अंतर्गत रकम
(ii) सेनबेट जमा की भी गई गणव राशि
(iii) सेनबेट जमा नियमावली के नियम 6 के अंतर्गत देय रकम
- बशर्त यह कि इस धारा के प्रावधान विधीय (धं 2) अधिनियम 2014 के अंरभ से पूर्व किसी अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष विचाराधीन स्थान अर्थाँ एवं अपील को लागू नहीं होगा।
For an appeal to be filed before the CESTAT, under Section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under Section 83 of the Finance Act, 1994, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute, provided the amount of pre-deposit payable would be subject to a ceiling of Rs. 10 Crores,
Under Central Excise and Service Tax, "Duty Demanded" shall include :
(i) amount determined under Section 11 D;
(ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
(iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules
- provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.
- (C) भारत सरकार कोपनरीक्षण आवेदन :
Revision application to Government of India:
इस आदेश की पुनरीक्षणयाचिका निम्नलिखित मामलों में, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा 35EE के प्रथमपूरंतुक के अंतर्गतअब रचिव, भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन इकाई, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिम, जीवन दीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001, को किया जाना चाहिए। / A revision application lies to the Under Secretary to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35B ibid:
(i) यदि माल के किसी नुकसान के मामले में, जहां नुकसान किसी मात्र को किसी कारखाने से अंदर गृह के पारगमन के दौरान या किसी अन्य कारखाने या फिर किसी एक अंदर गृह से दूसरे अंदर गृह पारगमन के दौरान, या किसी अंदर गृह में या अंदरगृह में माल के प्रसंकरण के दौरान, किसी कारखाने या किसी अंदर गृह में माल के नुकसान के मामले में। / In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse
(ii) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात कर रहे माल के विनिर्माण में प्रयुक्त कच्चे माल पर चरी गई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के छूट (रिबेट) के मामले में, जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात की गयी है। / In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.
(iii) यदि उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर, नेपाल या भूटान को माल निर्यात किया गया है। / In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.
(iv) सुनिश्चित उत्पाद के उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो अट्टी केडीट इस अधिनियम एवं इसके विभिन्न प्रावधानों के तहत मान्य की गई है और ऐसे आदेश जो आवृत्त (अपील) के द्वारा वित्त अधिनियम (नं 2), 1998 की धारा 109 के द्वारा नियत की गई शारीक अथवा वन्यायाविधि पर या बाद में पारित किए गए हैं। / Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998.
(v) उपरोक्त आवेदन की दो प्रतियाँ प्रपत्र संख्या EA-8 में, जो की केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमावली, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट है, इस आदेश के संलग्न के 3 माह के अंतर्गत की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदन के साथ अथवा अपील आदेश की दो प्रतियाँ संलग्न की जानी चाहिए साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-EE के तहत निर्धारित शुल्क की अदावगी के साथ के तौर पर TR-6 की प्रति संलग्न की जानी चाहिए। / The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the O.I.O. and Order-In-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.
(vi) पुनरीक्षण आवेदन के साथ निम्नलिखित निर्धारित शुल्क की अदावगी की जानी चाहिए।
जहाँ संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- का भुगतान किया जाए और यदि संलग्न रकम एक लाख रुपये से ज्यादा हो तो रुपये 1000 -/ का भुगतान किया जाए।
The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.
(D) यदि इस आदेश में कई मूल आवेदों का समावेश है तो प्रत्येक मूल आवेद के लिए शुल्क का भुगतान, उपर्युक्त ढंग से किया जाना चाहिए। इस तथ्य के होते हुए भी की निम्नलिखित कार्य से बचने के लिए यथास्थिति अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है। / In case, if the order covers various matters of order-in Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner, notwithstanding the fact that the one appeal to the Appellate Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each.
(E) यथासंशोधित न्यायालय शुल्क अधिनियम, 1975, के अनुसूची-I के अनुसार मूल आवेद एवं स्थान आवेद की प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए। / One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs.6.50 as prescribed under Schedule-I in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended.
(F) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्य विधि) नियमावली, 1982 में बर्णित एवं अन्य संबंधित मामलों को सम्मिलित करने वाले नियमों की और भी ध्यान अर्पित किया जाता है। / Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.
(G) उच्च अपीलीय प्राधिकारी को अपील दाखिल करने से संबंधित व्यापक, विस्तृत और नवीनतम प्रावधानों के लिए, अपीलाधी विभागीय वेबसाइट www.cbec.gov.in को देख सकते हैं। / For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website www.cbec.gov.in.



ORDER IN APPEAL

M/s. Digvijaysinh P. Gohil, Bhavnagar (hereinafter referred to as "Appellant") has filed the present against since Order-in-Original No. 01, 02 & 03/2021-22 dated 29.03.2022 (hereinafter referred to as 'impugned order') passed by the Superintendent, CGST Range-1, Central GST Division-1, Bhavnagar (hereinafter referred to as 'adjudicating authority'):

2. The facts of the case, in brief, are that on the basis of departmental audit, proceedings were initiated against M/s. Chandroday Cable Network, Bhavnagar (hereinafter referred to as "M/s. Chandroday") for evasion of service tax under the category of "Cable Operators Services". Proceedings were also initiated against sub-cable operators of M/s. Chandroday, including the Appellant, for non-payment of service tax by wrongly claiming benefit of value-based exemption under Notification No. 06/2005-ST dated 01.03.2005, despite providing services under other's brand name. These proceedings resulted in issuance of Show Cause Notices dated 16.04.2015, 16.03.2016 and dated 13.10.2017 for the period from April-2013 to March-2014, April-2014 to March-2015 and April-2015 to June-2017 to the Appellant proposing demand of service tax of Rs. 2,65,172/- including Education Cess and S.H. Education Cess along with interest and imposition of penalty under Sections 76, 77(1)(a), 77(2) and 77(1)(c) of the Finance Act, 1994 (hereinafter referred to as "the Act").

3. The Adjudicating Authority vide the impugned orders confirmed Service Tax demand of Rs. 2,65,172/- under Section 73(1) along with interest under Section 75 of the Act, imposed penalty not exceeding Rs. 2,65,172/- under Section 76 of the Act and penalty of Rs. 10,000/- each under Section 77(1)(a), 77(2) and 77(1)(c) of the Act.

4. Being aggrieved, the Appellant preferred present appeals contending, *inter-alia*, as under:

- (i) The impugned order is not correct as it has been passed without making legal interpretation of provisions of the Act. He was providing services as "Cable Operator" in relation to transmission of waves through electronically system independently and they has not provided taxable service by using the symbol/ brand name of "Chandroday". His taxable value had not exceeded the threshold limit of Rs. Ten Lakh in any of the financial year for the period under reference, he is entitled to avail benefit of Notification No. 06/2005-ST dated 01.03.2005.



[Handwritten signature]

(ii) The department has failed to establish as to how the Appellant has provided the taxable service by using other's brand name. In a similar case of **Shri Chiragbhai Andhariya**, the Commissioner (Appeals), Rajkot vide OIA No. **BHV-EXCUS-000-019-2021-22** dated 01.04.2022 has clearly held that the Appellant is liable to avail the benefit of Notification No. 6/2005-ST dated 01.03.2005.

(iii) The assessable value considered for issue of Show Cause Notices has been determined on assumption presumption ground. He rely on case law as reported at 2009 (14) STR 511 (Tri.-Del.) and 2018 (18) GSTL 152 (AAR-GST).

5. In reply to personal hearing fixed on 29.11.2022, the Appellant vide their letter dated 22.11.2022 reiterated the grounds of appeal and further submitted that no documents had been supplied by the Department as how the taxable value has been arrived. M/s. Chandroday was the "MSO" and providing such cable network service by using own name and not using any independent provider of the cable net work like the Appellant. The impugned order is not sustainable in the eyes of law. They were paying entertainment tax.

6. Personal hearing in the matter fixed on 29.12.2022. The Appellant vide their letter dated 14.12.2022 (received on 28.12.2022) informed that they were independent provider of taxable service having all the facility and technology to transmit the electronic waves and has not availed any kind of brand name of M/s. Chandroday and thus they are eligible for threshold limit under Notification No. 6/2005-Service Tax. They further stated that they do not desire the personal hearing in the matter.

7. I have carefully gone through the facts of the case, the impugned order, the Appeal Memorandums and oral as well as written submissions made by the Appellants. The issue to be decided in the present case is as to whether the impugned order confirming demand of Service Tax amount including Education Cess and S.H. Education Cess under Section 73 of the Act, along with interest and imposition of penalties under Section 76, 77(1)(a), 77(2) and 77(1)(c) of the Act is legally correct or otherwise.

8. I find that the adjudicating authority has confirmed the demand primarily on the ground that the Appellant as sub-cable operators have provided services under the Brand name of "M/s. Chandroray" and hence value- based exemption under Notification No. 06/2005-ST dated 01.03.2005 as amended is not available to them.

8.1 I find that the then Commissioner (Appeals) vide Order-In-Appeal No. 61 to 64/2013(BVR)SKS/Commr.(A)/Ahd dated 03.05.2013, in an identical issue, has dismissed the appeal filed by the department observing as under:-



"The contentions of the department is that the respondents had used the brand name of their respective MSO in transmitting the signals. In this regard I find that the signals which the respondent had re-transmitted were of different distributors which were transmitted by the respective MSO to them. I am of the considered opinion that these signals do not bear any brand name and style of the MSO. At the most it can be said that the signals are in the name and style of distributors of that film or programme. Therefore, contention of the department that the services provided by the respondents were with the brand name of their respective MSO is not acceptable. Therefore, appeals filed by the department for denying the benefit of the exemption under notification no. 6/2005-ST dated 01.03.2005 as amended and for imposing penalty under Section 76,77 & and 78 of the Finance Act, 1994 does not succeed."

As, the Commissioner (Appeals), New Delhi, appeal has categorically held that the respondent sub-cable operators, were eligible for value-based exemption under Notification No. 6/2005-ST dated 01.03.2005, as amended by Notification No. 33/2012-S.T. dated 20.06.2012. The appeal filed by the revenue against above Order-In-Appeal have been dismissed by the Hon'ble Tribunal vide Order No. A/11410-11506/2016 dated 02.11.2016 considering the low revenue involved therein.

8.2 I also find that the then Commissioner (Appeals) vide Order-In-Original No. BHV-EXCUS-APP-000-019-2021-22 dated 01.04.2022 has already decided the matter in favour of Shri Chirag Harendrabhai Andhariya for the period April-2014 to March-2015, by allowing the benefit of Notification No. 06/2015-S.T. dated 01.03.2005, as amended. Accordingly, following the findings recorded in Order-In-Appeal dated 03.05.2013 as well as Order-In-Appeal dated 01.04.2022, I hold that services provided by the Appellant cannot be considered as provided under other's brand name, and hence, the benefit of value based exemption under Notification No. 6/2005-ST dated 01.03.2005, as amended vide Notification No. 33/2012-Service Tax dated 20.06.2012, is available to the Appellant.

9. In view of above discussions and findings, I allow the benefit of threshold limit as prescribed under Notification No. 6/2005-Service Tax dated 01.03.2005, as amended vide Notification No. 33/2012-Service Tax dated 20.06.2012, to the Appellant subject to the conditions prescribed therein.

10. I direct the Adjudicating Authority to calculate and convey the Service Tax liability of Appellant after allowing benefit of the Notification as mentioned in Para 9 supra within 30 days of receipt of this order. I also direct the Adjudicating



[Handwritten signature]

Authority to keep in mind the provisions of Para 2(viii) of the Notification No. 33/2012-Service Tax dated 20.06.2012 while calculating the Service Tax liability of the Appellants.

11. Further, I uphold the impugned order for levy of interest on Service Tax upon the Appellant if he is liable to pay Service Tax as discussed in para 9 & 10 above. I also uphold the impugned order imposing penalties under Section 74, Section 77(2), Section 77(1)(a) and Section 77(1)(c) of the Act on the Appellant in case the taxable value is more than threshold limit.

12. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

12. The appeal filed by the Appellant is disposed off as above.

सत्यापित / Attested



(शिव प्रताप सिंह) (Shiv Pratap Singh),
आयुक्त (अपील) / Commissioner (Appeals)

By RPAD
To, Superintendent
Central GST (Appeals)
Rajkot

To, M/s. Digvijaysinh P. Gohl, 75/A, Shantinagar, B/h Press Quarter, Shivparvati Street No. 3/4, Bhavnagar.	प्रति, मे. दिग्विजयसिंह पी. गोहिल, 75/A, शांतिनगर, प्रेस क्वार्टर के पीछे, शिवपार्वती शेरी नंबर 3-4, भावनगर.
---	---

प्रति:-

- 1) मुख्य आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, गुजरात क्षेत्र, अहमदाबाद को जानकारी हेतु।
- 2) प्रधान आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, भावनगर आयुक्तालय, भावनगर को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
- 3) अपर/संवृक्त आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, भावनगर को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
- 4) सहायक आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, भावनगर-1 मण्डल को आवश्यक कार्यवाही हेतु।

6) गार्ड फाइल।

